प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह
www.swarajindianews.com
swarajindianews swarajindianews
सच्चाई के दम पर जोश के साथ...
दैनिक सांध्यकालीन
स्वराज इंडिया
कानपुर, बुधवार, 12 नवंबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 301, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड सालों से नेपाल तक बेची जा रही नशीली और नकली... » Pg03

» Pg12
उत्तर प्रदेश को मिला बिजनेस रिफॉर्म एक्शन प्लान अवार्ड

दीपावली पर हुए फेल, रची 26 जनवरी को धमाके की साजिश

देश को दहलाने की ताक में था आतंकी डॉक्टर्स ग्रुप

यूपी को लेकर थी खौफनाक तैयारी, सहारनपुर में बन रहा था मिनी रिक्रूट कमांड सेंटर, बचने के लिए बदले ठिकाने

बड़ा खुलासा

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

नई दिल्ली/लखनऊ। यूपी को लेकर आतंकियों की बेहद खौफनाक तैयारी थी। आतंकी गतिविधियों में शामिल गिरफ्तार डॉक्टरों को यूपी के सहारनपुर में आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद और अलकायदा के लिए मिनी रिक्रूट-कमांड सेंटर बनाने की जिम्मेदारी मिली थी। इसके लिए ही डॉक्टर अदील ने श्रीनगर का हॉस्पिटल छोड़कर सहारनपुर में ठिकाना बनाया था। यहां पढ़ने वाले युवाओं को बरगलाने और आतंकी संगठन से जोड़ने की साजिश रची जा रही थी। इस काम में डॉ. अदील समेत बाकी आरोपी भी शामिल थे। एटीएस की पूछताछ में यह खुलासा हुआ है, जिसके बाद वेस्ट यूपी में लगातार कार्रवाई जारी है। कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद और अलकायदा के लिए काम करने वाले डॉक्टर अदील, डॉ. मुजाहिल शकील उर्फ मुजम्मिल और साथियों की धरपकड़ के बाद श्रीनगर में खुफिया एजेंसियों, एनआईए और यूपी एटीएस टीम ने पूछताछ की है। इस संगठन के साथ मिलकर काम करने वाले बाकी लोगों के संबंध में इनपुट जुटाया गया है। पूछताछ में खुलासा हुआ कि डॉ. अदील और डॉ. मुजाहिल शकील को वेस्ट यूपी में जैश ए मोहम्मद और अलकायदा के लिए मिनी रिक्रूट-कमांड सेंटर बनाने की जिम्मेदारी मिली थी। यहां बड़ी वारदातों को प्लान करने और हथियार जुटाने के लिए मुफीद जगह तलाश करने को लगाया था।

सहारनपुर में दीनी तालीम हासिल करने के लिए बड़ी संख्या में छात्र आते हैं, इसलिए यहां इन छात्रों को प्रभाव में लेने, ब्रेनवॉश करने और संगठन से जोड़ने के लिए ऐसी जगह चाहिए थी, जहां छात्रों के साथ बैठक हो सके और किसी को शक भी न हो। यही कारण है कि डॉ. अदील एक साल पहले अनंतनाग के जीएससी अस्पताल को छोड़कर सहारनपुर आ गया था। यहां काफी लोगों से डॉ. अदील ने संपर्क साधा। उसके मोबाइल की फोरेंसिक जांच कराई जा रही है। आरोपी से पूछताछ के बाद खुफिया एजेंसियां और यूपी एटीएस की कई टीमों ने वेस्ट यूपी में ताबड़तोड़ कार्रवाई शुरू की है। कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है। डॉ. अदील के संपर्क में रहे बाकी लोगों का रिकार्ड खंगाला जा रहा है।

घायलों से मिले पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज बुधवार को एलएनजेपी अस्पताल का दौरा कर लाल किले के पास हुए विस्फोट के पीड़ितों से मुलाकात की। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस साजिश के पीछे के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा और उन्हें कटघरे में लाया जाएगा।

डॉक्टर के वेश में आदिल इतने खतरनाक मंसूबे पाल रहा था यह भनक किसी को नहीं थी, लेकिन आदिल की गिरफ्तारी के बाद जैसे-जैसे पूछताछ का दायरा आगे बढ़ रहा है बेहद चौकाने वाले खुलासे हो रहे हैं।

शाहीन का कबूलनामा

आतंकी डॉक्टरों के ग्रुप पर की जा रही कार्रवाई के दौरान हरियाणा के फरिदाबाद से गिरफ्तार की गई डॉ. शाहीन सईद ने यह कबूल किया है कि उनके ग्रुप का उद्देश्य देश भर में आतंकी हमलों को अंजाम देना था और वह लंबे समय से इसकी साजिश रच रहे थे। खबरों के अनुसार पुलिस पूछताछ के दौरान डॉ. शाहीन ने यह बात कबूल की है।

शक से बचने को बार-बार अस्पताल बदल रहा था अदील

सहारनपुर। डॉ. अदील एक बेहद शातिर संदिग्ध आतंकी है। किसी को उस पर शक न हो, इसलिए सहारनपुर में रहते हुए बार-बार वह अस्पताल बदल रहा था। दो वर्ष में वह दो निजी अस्पतालों में नौकरी कर चुका है। हाल में ही तीसरे निजी अस्पताल में नौकरी के लिए इंटरव्यू दे चुका था। हालांकि उसकी प्रबंधन से बात नहीं बनी थी। वर्तमान में डॉ. अदील सहारनपुर के अंबाला रोड स्थित फेमस अस्पताल तैनात था, लेकिन इससे पूर्व वह दिल्ली रोड स्थित एक अस्पताल में भी नौकरी कर चुका था। वह कुछ माह पूर्व ही फेमस अस्पताल में आया था।

पकड़ा गया धमाके वाली कार बेचने वाला डीलर

लाल किले के पास उस शाम जिस कार में धमाका हुआ था,उसे बेचने वाला मालिक पकड़ा गया है। इस कार डीलर ने फरीदाबाद में बकायदा सेकंड हैंड शोरूम खोल रखा था और उसने ही इस हुंडई आई20 कार बिकवाई थी। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है।

हरियाणा से मौलवी गिरफ्तार

जैश-ए-मोहम्मद के कथित मॉड्यूल से जुड़े इस आतंकी साजिश के तहत हरियाणा के मेवात जिले से एक प्रमुख मौलवी को गिरफ्तार किया गया है। इस गिरफ्तारी ने पूरे मामले में नया मोड़ ला दिया है, क्योंकि आरोपी मौलवी डॉक्टरों को कट्टरपंथी बनाने और विस्फोटकों की आपूर्ति में केंद्रीय भूमिका निभा रहा था।

दिल्ली ब्लास्ट के तुर्की से जुड़े तार

राजधानी दिल्ली में हुए धमाके के तार अब तुर्की से जुड़ते नजर आ रहे हैं। खबर है कि डॉक्टर मोहम्मद उमर और डॉक्टर मुजम्मिल शकील के पासपोर्ट में तुर्की यात्रा का पता चला है। हालांकि, पुलिस या जांच एजेंसियों की तरफ से इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है। जिस आई20 कार में सोमवार शाम धमाका हुआ, उसे तब उमर ही चला रहा था। उमर के तार हरियाणा के फरीदाबाद से पकड़े गए टेरर मॉड्यूल से जोड़े जा रहे हैं।

मुख्य संदिग्ध मुजम्मिल ने जांचकर्ताओं को बताया है कि उसने और उमर नबी ने लाल किले के पास धमाका करने से पहले इलाके की रेकी की थी। दिल्ली ब्लास्ट मामले को लेकर मुजम्मिल से सख्ती से पूछताछ की गई है। इस दौरान, उसके फोन के डेटा से जो जानकारी मिली है, उन्हें उसके सामने पेश किया गया। पूछताछ के दौरान, मुजम्मिल ने बताया कि अगले साल 26 जनवरी को हमला करने की योजना थी। उसी के तहत लाल किले के आसपास के इलाके की रेकी की गई थी।

आदिल के मरीज भी आ सकते हैं जांच के दायरे में

फेमस अस्पताल में डॉ. आदिल फिजिशियन के पद पर नौकरी करता था। अवकाश के दिनों को छोड़कर उसकी रोजाना ओपीडी चलती थी। ऐसे में खुफिया एजेंसियों को यह भी अंदेशा है कि उपचार के बहाने मरीजों का ब्रेनवॉश तो नहीं कर रहा था।

संबंधित खबर पृष्ठ 12 पर...

ज्वैलर्स से ठगी करने वाले गिरोह का खुलासा, पांच गिरफ्तार

» गिरोह शहर के कई इलाकों में वारदातों को अंजाम दे चुका

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर।ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत कर्नलगंज थाना पुलिस ने ज्वैलर्स व्यापारियों से ठगी करने वाले एक शातिर गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने गिरोह के पाँच सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से पीली व सफेद धातु के आभूषण और 6,500 रुपये नकद बरामद किए हैं।

डीसीपी सेंट्रल जोन श्रवण कुमार सिंह और एसीपी कर्नलगंज अमित चौरसिया के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। थाना प्रभारी विनीत चौधरी ने सर्विलांस सेल और पुलिस टीम की मदद से गिरोह के सरगना मोहित कुमार, नंदू शाक्य, राजकुमार, संजय वर्मा और प्रवीण सिंह को धर दबोचा। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह ज्वैलर्स

और व्यापारियों को नकली धातु दिखाकर असली सामान की अदला-बदली कर ठगी करता था। गिरोह काफी समय से सक्रिय था और शहर के कई इलाकों में वारदातों को अंजाम दे चुका था।

गिरफ्तारी करने वाली टीम में थाना प्रभारी विनीत चौधरी, उपनिरीक्षक संदीप कुमार, रिंकू निमेष, दिनेश कुमार मौर्या मनमोहन सविता सहित सर्विलांस प्रभारी पवन प्रताप सिंह, लवकुश मिश्रा, नवीन कुमार, धर्मेंद्र तिवारी, राहुल कुमार और आलोक कुमार की विशेष भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पकड़े गए अभियुक्तों से पूछताछ में कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिली हैं, जिनके आधार पर गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश की जा रही है।

जॉइंट सीपी बोले- डॉ. शाहीन हमारे लिए पर्सन ऑफ इंटरेस्ट, जीएसवीएम में गतिविधियों की जांच शुरू

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। जॉइंट सीपी (लॉ एंड ऑर्डर) आशुतोष कुमार ने कहा है कि डॉ. शाहीन की जीएसवीएम कॉलेज में गतिविधियों, संपर्कों और उनके जैश-ए-मोहम्मद की महिला विंग की नेता होने की खबरों की गहराई से पुष्टि की जा रही है।दिल्ली ब्लास्ट मामले में कानपुर के ज्वाइंट सीपी, लॉ एंड ऑर्डर आशुतोष कुमार ने कहा कि डॉ. शाहीन जीएसवीएम कॉलेज के फार्माकोलॉजी विभाग में लेक्चरर थीं। वह छात्रों को पढ़ाती थीं और उस दौरान उनकी क्या गतिविधियां थीं, वह कहां जाती थीं, किससे बात करती थीं, इसकी जांच की जा रही है।

जिन नामों पर हमें शक है और जिनके नाम पिछले दंगों में सामने आए थे। उनकी जांच की जा रही है...हो सकता है कि उनका कोई आतंकवादी संबंध हो। इन लोगों को हिरासत में लिया गया है और पूछताछ के बाद उन्हें छोड़ दिया जाएगा। अगर उनके बारे में कोई जानकारी मिलती है, तो उसे हमारी एजेंसियों के साथ साझा किया जाएगा।

हर चीज की पुष्टि के लिए गहराई से जांच जरूरी

यह गोपनीय जानकारी है...शाहीन हमारे लिए पर्सन ऑफ इंटरेस्ट है और उनके बारे में सारी जानकारी रिपोर्ट की जा रही है,

क्योंकि कहा जा रहा है कि वह एक प्रतिबंधित संगठन जैश-ए-मोहम्मद की महिला विंग की कमांडर या कुछ और की सदस्य हैं। ये सारी बातें अखबारों में छप रही हैं, इसलिए हर चीज की पुष्टि के लिए गहराई से जांच करना और जानकारी हासिल करना जरूरी हो जाता है।

सीएसए के वैज्ञानिकों ने जैविक खेती की मदद से पाई सफलता

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। प्रो. त्रिपाठी ने बताया कि आर्गेनिक खेती से ड्रैगन फरूट की मिठास 15 टीएसएस तक मापी गई, जबकि आमतौर पर यह 11-12 टीएसएस तक होती है। सामान्य ड्रैगन की गोलाई 6.17 सेमी और लंबाई 7.2 लंबाई होती है, जबकि आर्गेनिक विधि से तैयार में फल का आकार आठ सेमी और लंबाई नौ सेमी है। कानपुर में चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के वैज्ञानिकों ने विदेशी फलों के स्वाद और गुणवत्ता को बढ़ाने में बड़ी सफलता हासिल की है। आर्गेनिक खेती की मदद से वैज्ञानिकों ने न केवल फलों की मिठास बढ़ाई बल्कि उनके आकार और वजन में भी सुधार किया है। इसकी शुरुआत ड्रैगन फरूट से हो गई है। वैज्ञानिकों ने ड्रैगन फरूट की किचन गार्डेन की पौध भी तैयार की है।कुछ सावधानियों के साथ इसे घर पर भी तैयार किया जा सकता है। सीएसए के उद्यान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. वीके त्रिपाठी ने बताया कि विदेशी फल ड्रैगन फूट को कमलम नाम दिया गया है। इस पर आर्गेनिक खेती का प्रयोग किया गया है। प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि कमलम की तीन प्रजातियां होती हैं जिसमें लाल चमड़ी सफेद गूदा, लाल चमड़ी गुलाबी गूदा और पीली चमड़ी सफेद गूदा होता है स्थानीय अनुकूलन की दिशा में एक बड़ी पहल

उन्होंने लाल चमड़ी गुलाबी गूदे वाले कमलम पर प्रयोग किया है। वैज्ञानिकों ने विशेष जैविक पोषक तत्वों और प्राकृतिक खाद का उपयोग किया जिससे फल का आकार बढ़ा और वजन में बढ़ोतरी दर्ज की गई। साथ ही मिठास और सुगंध में भी सुधार मिला। सीएसए के वैज्ञानिकों का कहना है कि यह प्रयोग विदेशी फलों के स्थानीय अनुकूलन की दिशा में एक बड़ी पहल है।

सालों से नेपाल तक बेची जा रही नशीली और नकली दवाएं, कानपुर के अफसरों को भनक नहीं

खाद्य आयुक्त के छापेमारी से हड़कंप, शासन करेगा 'सोते' अफसरों पर कार्रवाई

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन को कोडीनयुक्त कफ सिरप और नॉरकोटिक्स श्रेणी की औषधियों के अवैध भंडारण, क्रय-विक्रय और वितरण पर प्रभावी नियंत्रण के संबंध में सख्त निर्देश दिए हैं। बावजूद इसके जिले के औषधि निरीक्षक अभियान के प्रति सर्तक नजर नहीं आ रहे हैं। स्वराज इंडिया अखबार ने पिछले अंक में इसका खुलासा भी किया था इसके बाद भी कानपुर में तैनात अधिकारी अनजान बने रहे।

उत्तर प्रदेश की तेज तर्रार आईएएस अधिकारी डॉ रोशन जैकब ने खुद छापा मारा तो हड़कंप मच गया

औषधि निरीक्षकों द्वारा रूचि कम होती देख मंगलवार को लखनऊ से खुद खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की आयुक्त डॉ.रोशन जैकब को शहर आना पड़ा और उन्होंने टीम के साथ बिरहाना रोड स्थित अग्रवाल ब्रदर्स (विनोद अग्रवाल एवं शिवम अग्रवाल) में छापा मारकर औचक निरीक्षण किया। हालांकि, इस दौरान साथ में औषधि निरीक्षक रेखा व औषधि निरीक्षक ओमपाल साथ ही करीब सात औषधि निरीक्षक भी टीम के साथ थे। लेकिन डॉ.रोशन जैकब ने खुद औषधि गोदाम और होलसेल डीलरशिप की जांच की और एक-एक दस्तावेजों की गहनता से पड़ताल की। उन्हें जांच में भारी मात्रा में कोडीन युक्त कफ सिरप और ट्रामाडोल टैबलेट्स बरामद हुई। जब इसकी जानकारी गोदाम में मौजूद व्यक्ति से की तो वह इसकी सटीक जानकारी नहीं दे सके और न ही इनकी बिक्री और वितरण का कोई अभिलेख उपलब्ध मिला। इसके अलावा उन्हें जांच के दौरान गोदाम में काफी मात्रा में एक्सपायर्ड दवाएं भी मिली। इस संबंध में जब उन्होंने जिले के औषधि निरीक्षकों से जानकारी की तो वह भी कोई स्पष्ट उत्तर नहीं दें सकें। आयुक्त डॉ.रोशन जैकब ने इस संबंध में औषधि विक्रेताओं के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट व बीएनएस के अंतर्गत एफआईआर दर्ज करने के निर्देश संबंधित निरीक्षक को दिए। सीज की कार्रवाई की।

खाद्य आयुक्त डॉ. रोशन जैकब ने बताया कि कानपुर में बड़े पैमाने पर नशे के सिरप और दवाओं का कारोबार हो रहा है। इसके सबूत हिमाचल, लखनऊ से मिले थे। इसके बावजूद कोई बड़ी कार्रवाई नहीं हुई। इसलिए लखनऊ की चार टीमें लेकर छापेमारी की। बड़े पैमाने पर कोडीन युक्त सिरप, ट्रामाडोल टैबलेट्स व एक्सपायर दवा बरामद हुई है। शहर के अफसरों की भूमिका संदिग्ध है। जांच के बाद कार्रवाई होगी।

उच्चस्तरीय छापेमारी से दवा मार्केट में हड़कंप

सालों से अग्रवाल ब्रदर्स नशे का कारोबार कर रहे थे। इसके बावजूद शहर के अफसरों को भनक तक नहीं लगी। इसलिए सर्किट हाउस आने के बाद शहर की टीम को आयुक्त ने जानकारी दी। इससे उनके भी हाथ पांव फूल गए। हिमाचल की लेबोरेट कंपनी से अग्रवाल ब्रदर्स ने नशे के सिरप को खरीदा था।

वह लेबोरेट कंपनी का बड़ा डीलर है। उनके खिलाफ लखनऊ से भी काफी सबूत मिले हैं। इसके लिए आयुक्त को खुद आकर छापेमारी करनी पड़ी। जिसमें बड़े पैमाने पर गोरखधंधे का खुलासा हुआ है। इससे शहर में चल रही कार्रवाई पर बड़ा सवालिया निशान खड़ा हो रहा है। आखिरकार शहर के अफसर क्यों नहीं नशे के सौदागरों को पकड़ पा रहे थे।

स्वराज इंडिया
कानपुर सिटी

नशीली और मिलावटी दवाओं का गढ़ बनता जा रहा कानपुर

तीन महीनों में तीन शिकायतों पर हुई बड़ी कार्रवाई

3 नवंबर 2025 को स्वराज इंडिया अखबार ने इस मामले को उठाया था

पूरे यूपी से लेकर नेपाल तक सप्लाई

अग्रवाल ब्रदर्स ने नशे का कारोबार बड़े पैमाने पर फैला रखा। हिमाचल से माल मंगाकर गाजियाबाद, लखनऊ से लेकर कोपरगंज के गोदाम में रखता था। लेबोरेट कंपनी से उसने कप सिरप को मंगाया। फिर उनको यूपी 90 हजार बोतल नशे में प्रयोग होने वाले कफ सिरप को मंगाया। अलग-अलग जगहों पर अन्य खेप के साथ बेचा है।

इसकी पुष्टि हिमाचल से बिक्री करने वाली कंपनी के जरिए ड्रग विभाग को मिली है। नशीले दवाओं की सप्लाई नेपाल तक की जा रही है।

जिले के अफसरों की भूमिका संदिग्ध, होगी जांच

मौके पर जांच पड़ताल करने आई लखनऊ की टीम को कानपुर के ड्रग विभाग की भूमिका ठीक नहीं मिली है। उनकी भूमिका संदिग्ध मिली है।

मौके पर जिस तरह से गोदाम में अव्यवस्था फैली थी उसे देखकर उसे पहले ही सील होना चाहिए था। फिर भी शहर के अफसरों ने कार्रवाई नहीं की।

लाइसेंस निरस्त करने के नाम पर सिर्फ नारकोटिक्स का रद्द किया गया। शहर के अफसरों पर भी अब कार्रवाई की तलवार लटकने लगी है।

आखिरी वीडियो बनाकर बीबीए छात्र ने दी जान

इंस्टाग्राम पर डाला सुसाइड वीडियो, सुबह ट्रेन के आगे कूदकर की खुदकुशी

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) के बीबीए द्वितीय वर्ष के छात्र वरुण यादव (20) ने इंस्टाग्राम पर सुसाइड का वीडियो अपलोड कर अपनी जिंदगी खत्म करने की घोषणा की। वीडियो में वरुण कहता दिखा यह मेरी जिंदगी का आखिरी वीडियो है, मैंने बहुत गलतियां की हैं, अब मैं सुसाइड करने जा रहा हूं।

वीडियो वायरल होते ही पुलिस उसकी तलाश में जुट गई, लेकिन बुधवार सुबह उसने कल्याणपुर रेलवे ट्रैक के पिलर नंबर 124 के पास ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। वायरल वीडियो की स्वराज इंडिया पुष्टि नहीं करता है।

मूल रूप से बारा सिरोही निवासी अजेंद्र सिंह यादव का बेटा वरुण सीएसजेएमयू में बीबीए की पढ़ाई कर रहा था।

घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

एसीपी कल्याणपुर रंजीत कुमार के मुताबिक आत्महत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं है, परिजनों से पूछताछ और तहरीर मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भितरघातियों का चेहरा पहचानने में जुटे हारे हुए प्रत्याशी

बृजेश कटियार की नैया पार सौरभ ने मारी निर्णायक बाजी

बिल्हौर बार एसोसिएशन चुनाव: अध्यक्ष पद पर बृजेश कटियार की 4 मतों से हुई जीत, 33 वोटों से प्रतिद्वंदी सौरभ कटियार बने महामंत्री

ब्रजेश कटियार

सौरभ कटियार

लक्ष्मीकांत त्रिवेदी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव परिणाम मंगलवार शाम को घोषित कर दिए गए। दिनभर चले मतदान और मतगणना के बाद जैसे ही विजेताओं के नाम सामने आए, अधिवक्ताओं में उल्लास की लहर दौड़ पड़ी। अध्यक्ष पद पर हुए कड़े मुकाबले में बृजेश कटियार एडवोकेट ने अपने प्रतिद्वंदी आशीष पांडेय को मात्र 4 मतों के अंतर से मात देकर जीत का परचम लहराया। बृजेश को 98 जबकि आशीष को 94 वोट प्राप्त हुए।

उपाध्यक्ष पद पर लक्ष्मीकांत त्रिवेदी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 108 मतों के साथ निर्णायक बढ़त बनाई और अपने निकटतम प्रतिद्वंदी रामपाल आनंद को 37 वोटों से हराया। वहीं महामंत्री पद पर चुनावी जंग में सौरभ कटियार एडवोकेट ने अपनी लोकप्रियता के बल पर 111 मत हासिल कर विनय गौतम को 33 वोटों से पछाड़ दिया।

खुशी का इजहार

परिणाम घोषित होते ही विजयी प्रत्याशियों के समर्थकों ने नारेबाज़ी और फूलमालाओं से स्वागत करते हुए जमकर जश्न मनाया। देर रात तक बार परिसर में बधाइयों और मिठाइयों का दौर चलता रहा।

चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने में सुलह अधिकारी प्रभाकर अवस्थी की भूमिका सराहनीय रही। वहीं, मुख्य चुनाव अधिकारी के.के. श्रीवास्तव तथा उनकी टीम, चौधरी सैय्यद शब्बर असर रिज़वी, शारिब, अजय कटियार, आदेश तिवारी और दिनेश सिंह भदौरिया ने पूरी निष्पक्षता के साथ प्रक्रिया को अंजाम दिया। मतदान के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। पुलिस बल की तैनाती के चलते पूरा माहौल शांतिपूर्ण और अनुशासित बना रहा। परिणाम आने तक अधिवक्ताओं में उत्सुकता और रोमांच बना रहा, जबकि देर रात तक जीत का जश्न बार परिसर में गूंजता रहा।

इन पदों पर निर्विरोध चयन

बिल्हौर बार एसोसिएशन की कार्यकारिणी में अध्यक्ष, महामंत्री और उपाध्यक्ष पद के अलावा अन्य सभी पदों पर निर्विरोध चयन हुआ। मंत्री पद पर रविशंकर, संयुक्त मंत्री भगत सिंह, कोषाध्यक्ष शहजाद उल्ला, प्रवक्ता उमेश चन्द्र कुशवाहा, अंकेक्षक सौरभ कुमार मिश्रा, पुस्तकालय अध्यक्ष विशाल सैनी, वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य प्रथम सुरेश कुशवाहा, वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य द्वितीय ज्ञानेन्द्र कुमार, कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य प्रथम नन्द किशोर तथा कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य द्वितीय प्रेमशंकर निर्विरोध निर्वाचित हुए।

...तो कत्ल की रात हुआ खेल

वकीलों के चुनाव के बाद परिणामों ने जिस तरह से कुछ लोगों को चौंका दिया। उससे इस बात के कयास लगाए जा रहे हैं कि मतदान के पूर्व की रात ही सारा खेल हुआ। पूर्व की रात ही कत्ल की रात, यानी कि निर्णायक कही जाती है। इसी रात पूरा खेल कर दिया। लोगों को इसका अंदाजा नहीं था। वरना वह अपने वोटरों को टूटने से बचा सकते थे।

हार के बाद बेवफाओं की तलाश में जुटे प्रत्याशी

चुनाव में पराजय झेलने वाले प्रत्याशी अब हार की वजह नहीं, अपनों की बेवफाई तलाश रहे हैं। मतगणना खत्म होते ही कुछ प्रत्याशी परिणामों से कम और किसने साथ छोड़ा इस सवाल से ज़्यादा बेचैन दिखे। कहते हैं, वोटों के पिटारे में विश्वास की गांठें ढीली पड़ गईं, जिसने पूरा समीकरण बिगाड़ दिया। अंदरखाने चर्चाएं हैं कि कई भरोसेमंद चेहरे आखिरी वक्त पर पलटी मार गए, जिससे जीत हाथ से फिसल गई। अब हार के बाद बैठकों का दौर चल रहा है कहीं गिनती आंकड़ों की, तो कहीं गिनती अपनों की। एक अधिवक्ता ने मुस्कराते हुए कहा अब चुनाव तो बीत गया हम सब अधिवक्ता एक हैं।

10 साल पुराना हत्या का राज खुला, तीन भाइयों को उम्रकैद

भगवानदीन कुरील हत्याकांड

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर/कानपुर देहात। एक दशक पुराना वो खून, जिसकी स्याही अभी सूखी भी नहीं थी...आखिरकार इंसाफ की अदालत ने उस पर अपनी मुहर लगा दी। डुडवा जमौली गांव की गलियों में आज फिर वही चर्चा है, भगवानदीन कुरील की हत्या, जिसे तीन सगे भाइयों ने रंजिश के चलते अंजाम दिया था। बिल्हौर कोतवाली क्षेत्र के डुडवा जमौली गांव में साल 2015 में हुई हत्या के मामले में अदालत ने मंगलवार को बड़ा फैसला सुनाया। एडीजे प्रथम की अदालत ने हत्या के दोषी तीन सगे भाइयों राधेश्याम, रामप्रकाश और विनोद कुमार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। तीनों पर 15-15 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है।

मामला साल 2015 का है। गांव के निवासी भगवानदीन कुरील की खेत जाते समय रास्ते में घात लगाकर हत्या कर दी गई थी। हमलावरों ने लाठी-डंडे और कुल्हाड़ी से बेरहमी से हमला किया था। भगवानदीन के साथ मौजूद बेटे मनीष ने किसी तरह जान बचाकर भागते हुए परिजनों को सूचना दी थी। हत्या के पीछे की वजह जमीन विवाद और पुराना पारिवारिक मनमुटाव बताया गया है।

सूत्र बताते हैं कि दोनों परिवारों के बीच पहले से ही तनाव था। बताया जाता है कि दोषियों के परिवार की एक महिला से रामदीन के व्यवहार को लेकर भी मतभेद गहराते गए, और आखिरकार खूनी टकराव में बदल गया। घटना के बाद दर्ज मुकदमे में चार लोगों को नामजद किया गया था, लेकिन विवेचना के दौरान एक आरोपी का नाम हटाया गया। बाद में वादी के आग्रह पर उसे भी अभियुक्त बनाया गया। मुकदमे की सुनवाई के दौरान एक आरोपी रामकिशोर की मौत हो गई।

सूत्रों के मुताबिक, कोर्ट का फैसला आने की भनक लगते ही तीनों दोषी अपने घरों से फरार हो गए। गांव में उनके मकानों पर ताला लटका मिला। ग्रामीणों के अनुसार, राधेश्याम कानपुर शहर में रह रहा था जबकि रामप्रकाश और विनोद गांव में ही रहते थे। मंगलवार को परिवार की महिलाएं भी उनके साथ कोर्ट गई थीं और देर शाम तक वापस नहीं लौटीं। अदालत ने गवाहों और सबूतों के आधार पर तीनों भाइयों को हत्या का दोषी करार दिया और आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

जर, जोरू और जमीन इन्हीं में उलझ जाती हैं हत्याएं

जर,जोरू और जमीन-गांवों की चौपालों से लेकर अदालत की गलियारों तक, ज़्यादातर खून इन्हीं तीन कारणों की देन हैं। डुडवा जमौली की यह वारदात भी उसी कहावत को सच करती है जहां एक परिवार का भविष्य सलाखों के पीछे कैद हो गया।

कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, कानपुर देहात

पत्रांक: एस0एस0ए0/2088/2025-26 दिनांक 11/11/2025

अल्पकालीन जेम निविदा विज्ञप्ति

राज्य परियोजना निदेशक कार्यालय समग्र शिक्षा, विद्या भवन, निशातगंज, लखनऊ के द्वारा जनपद कानपुर देहात में को-लोकेटेड आंगनवाडी केन्द्रों हेतु बालमैत्रीय फर्नीचर एवं जनपद स्तरीय एवं ब्लॉक स्तरीय कार्यालय हेतु कार्मिक एवं ईसीसीई एजुकेटर (द्वितीय चरण) के चयन हेतु जेम पोर्टल के माध्यम से निविदायें आमंत्रित किये जाने हेतु जिलाधिकारी महोदय द्वारा प्राप्त अनुमोदन के क्रम में जेम पोर्टल के माध्यम से निम्नवत् निविदायें आमंत्रित की जाती हैं।

क0 सं0	निविदा का विवरण	निविदा संख्या	अंतिम तिथि एवं समय
1.	बाल मैत्रीक फर्नीचर	GEM/2025/B/6824393	20.11.2025 सायं 07:00 बजे
2.	सेवा प्रदाता चयन	GEM/2025/B/6848538	20.11.2025 सायं 07:00 बजे

निविदा से सम्बन्धित नियम व शर्ते जेम पोर्टल पर उपलब्ध है।

(अजय कुमार मिश्र)
जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
कानपुर देहात।

सम्पादकीय

सड़क दुर्घटनाओं पर सुप्रीम कोर्ट का सख्त रुख

विकास के नाम पर हमने सरपट वाहन दौड़ने वाली सड़कें तो बना दी, लेकिन यह सुनिश्चित नहीं किया कि यात्रा दुर्घटनाओं से निरापद कैसे रहे। यह हृदय विदारक होता है कि सड़कों के निर्माण में तकनीकी खामियों, ट्रकों की अराजकता तथा राजमार्ग के अवरोधों के चलते परिवार के परिवार असमय काल कवलित हो जाते हैं। तंत्र की चतुराई ये होती है कि मुआवजे और दुर्घटना की फौरी जांच की घोषणा तो कर दी जाती है लेकिन सड़क दुर्घटना के मूल कारणों की तह तक नहीं पहुंचा जाता है।। इस संकट की गंभीरता को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान के फलोदी इलाके में हुए भीषण सड़क हादसे के मामले में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से दो सप्ताह में दुर्घटना के कारणों पर विस्तृत जवाब दाखिल करने के ।। जिससे यात्रियों से भरा तेज गति से आता एक टेम्पो ट्रेवलर टकरा गया। हादसा इतना भीषण था कि इसमें चार बच्चों तथा दस महिलाओं समेत पंद्रह लोगों की मौत हो गई। कई लोग घायल भी हुए। आमतौर पर किसी भी बड़े हादसे में शिकार हुए यात्रियों की संख्या का ही जिक्र होता है और सरकार मुआवजे की घोषणा करके अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेती है। अधिक से अधिक हमारे विमर्श का मुद्दा यह होता है कि दोषी कौन था? कौन सा ड्राइवर लापरवाही से वाहन चला रहा था, वह नशे में था या उसे नींद की झपकी लग गई। या फिर वाहन में तकनीकी खामी की वजह से हादसा हुआ। जो दुर्घटना का कारण बनती हैं। एक ओर जहां सड़क निर्माण में ठेकेदार द्वारा की गई चूक होती हैं, वहीं सड़कों के किनारे बेतरतीब बने ढाबे भी होते हैं, जहां अकसर ट्रक चालक अपने वाहन गलत ढंग से खड़े कर देते हैं।`। लेकिन अकसर हम उन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। ऐसे महत्वपूर्ण कारक को अनदेखा करने की वजह से भविष्य में ऐसी ही दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति होने की आशंका बलवती होती है। यह विडंबना ही है कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर जगह-जगह टोल संग्रह केंद्रों के जरिये टैक्स तो खूब वसूले जाते हैं, लेकिन राजमार्गों को दुर्घटनाओं से निरापद बनाने के लिये गंभीर प्रयास नहीं होते। कुकरमुत्तों की तरह सड़कों का अतिक्रमण करते ढाबों पर लगाम नहीं लगायी जाती। गंभीरता से पड़ताल नहीं होती है कि क्या सड़क निर्माण में ठेकेदार ने सभी तकनीकी मानकों का पालन किया है? निश्चित रूप से राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की जवाबदेही बनती है कि राजमार्गों को दुर्घटना मुक्त बनाने के लिये नियमित जांच-पड़ताल की जाती रहे। ताकि निर्दोष लोगों के बेमौत मरने का सिलसिला खत्म हो सके। इन विभागों व मंत्रालयों का जिम्मा सिर्फ टोल वसूलना ही नहीं है बल्कि सड़कों को सुरक्षित बनाना भी इनकी जवाबदेही है। निश्चित रूप से सड़क के निर्माण की गुणवत्ता तथा उसे दुर्घटना मुक्त बनाने के लिये उच्च सुरक्षा मानकों का क्रियान्वयन भी उतना जरूरी है। इसके अलावा सख्त कानून व निगरानी के जरिये ट्रकों को सड़क के किनारे खड़े करने पर रोक लगायी जाए। देश में सैकड़ों लोगों की मौत सड़क के किनारे गलत तरीके से खड़े ट्रक से वाहनों के टकराने से होती है, लेकिन दोषी ट्रक चालक को कड़ी सजा नहीं मिलती।

सतत जागरूकता से बचेगी जनतंत्र की गरिमा

क्षमा शर्मा

राजनेताओं को यह अहसास कराया ही जाना चाहिए कि जनता को अपनी मुट्ठी में समझने की उनकी प्रवृति देश के जागरूक मतदाता को स्वीकार नहीं है। जनतांत्रिक मूल्यों- मर्यादाओं का तकाज़ा है कि नेता अपनी सीमाएं समझें और जनता अपनी...राजनेताओं को यह अहसास कराया ही जाना चाहिए कि जनता को अपनी मुट्ठी में समझने की उनकी प्रवृति देश के जागरूक मतदाता को स्वीकार नहीं है। जनतांत्रिक मूल्यों- मर्यादाओं का तकाज़ा है कि नेता अपनी सीमाएं समझें और जनता अपनी शक्ति को पहचाने।

बिहार के चुनाव परिणाम पर 'रेवड़ी' का क्या और कितना असर पड़ता है यह तो मतपत्रों की गणना के बाद ही पता चलेगा, पर यह एक खुला रहस्य है कि हमारे राजनीतिक दल यह मानकर चलते हैं कि देश का मतदाता रेवड़ियों से रिझाया जा सकता है। देखा जाये तो एक तरह से यह देश के मतदाता का अपमान ही है कि उसके बारे में ऐसी धारणा बन रही है। ऐसा नहीं है कि यह स्थिति अचानक बन गयी है, अर्से से हमारे राजनीतिक दल इस रेवड़ी- संस्कृति का सहारा लेकर चुनाव जीतने का प्रयास करते रहे हैं। शुरुआती दौर में यह काम चोरी- छिपे ढंग से होता था। मतदाताओं के बीच। अब भी ऐसा होता है, पर अब और भी रास्ते अपना लिये गये हैं, मतदाताओं को 'खरीदने' के उदाहरण के लिए महिलाओं के सशक्तीकरण के नाम पर बिहार के 'सुशासन बाबू' ने राज्य की लगभग डेढ़ करोड़ महिलाओं को दस-दस हज़ार रुपये नकद बांट दिये। मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में भी ऐसे प्रयोग हो चुके हैं।यही सब देखते हुए यह सवाल पूछा जा रहा है कि क्या खैरात बांटकर चुनाव जीते जा सकते हैं? भले ही कुछ राजनीतिक-विश्लेषक यह कहते रहें कि ऐसा नहीं हो सकता, पर इस धारणा से इंकार नहीं किया जा सकता कि हमारे राजनेता यही मानते हैं कि खैरात काम आती है। अब तो हमारे सत्ताशीर्ष भी यह मान चुके लगते हैं कि चुनाव के अवसर पर रेवड़ियां बांटना ग़लत नहीं है! बात सिर्फ रेवड़ी-संस्कृति तक सीमित नहीं है। चुनाव जीतने के लिए जिस तरह जाति और धर्म का सहारा लिया जा रहा है, वह एक तरह से हमारे लोकतंत्र का मज़ाक उड़ाना ही है। जातियों के आधार पर उम्मीदवारों का चयन और धर्म की दुहाई देकर मतदाता को भ्रमित करने की कोशिशें बिहार के इस चुनाव प्रचार में लगातार हुई हैं। यहीं यह बात भी गौर करने लायक है कि चुनाव में ठोस मुद्दे उठाने के बजाय किसी 'जंगल राज' और वोटों की कथित 'चोरी' जैसी बातों का सहारा लेना राजनीतिक दलों को कहीं अधिक उपयोगी लगा है। सत्तारूढ़ पक्ष से यह उम्मीद की जाती है कि वह अपनी उपलब्धियों को आधार बनाकर मतदाता के समक्ष वोट मांगने जायेगा। पर देखा यह गया है कि सत्तारूढ़ पक्ष विपक्ष की बीस साल की पुरानी सरकार के 'जंगल-राज' का डर दिखाकर वोट पाने की उम्मीद कर रहा है। तब भी यह सवाल तो उठता ही है कि आज की युवा पीढ़ी को दो दशक पुराने उस अनुभव के आधार पर कोई निर्णय लेने के लिए कैसे कहा जा सकता है? विपक्ष से यदि कोई सवाल किया जाता है तो वह यह होना चाहिए कि उसके पास शासन का बेहतर विकल्प क्या है? यह मतदाता का अपमान नहीं तो और क्या है कि बिहार की वर्तमान सरकार की दस हज़ार रुपये की 'रिश्वत' के मुकाबले में विपक्ष तीस हज़ार रुपये नकद देने का प्रलोभन दे रहा है चुनाव जनतंत्र का सबसे बड़ा उत्सव होते हैं। रेवड़ियों, रिश्वत और घिसे-पिटे आरोपों के सहारे चुनाव जीतने की कल्पना ही इस उत्सव की गरिमा, महत्ता और पवित्रता को नष्ट कर देती है। यह सचमुच हैरानी की बात है कि नीतियों और नीयत के बजाय समाज को बांटने वाले नारों को चुनाव जीतने का आधार बनाया जाता है।

विकास और जलवायु परिवर्तन के बीच संतुलन जरूरी

सूखते भूमिगत जल

ज्वाला सिंह दास

रिपोर्ट ने जो सुझाव दिए हैं उनमें राज्य जलवायु लचीलापन कोष, हर जिले में जलवायु जोखिम मानचित्रण, हरित उद्योगों और कृषि-वानिकी को बढ़ावा तथा डिजिटल तकनीक द्वारा प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली हैं। भारत की विकास यात्रा आज दो विरोधी धाराओं के बीच खड़ी है-एक ओर शिक्षा, स्वास्थ्य तथा सामाजिक कल्याण में प्रगति और दूसरी ओर जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली विनाशकारी असुरक्षा। केरल, तमिलनाडु, सिक्किम और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्य, जो मानव विकास सूचकांक में देश का नेतृत्व करते हैं, अब इस द्वंद्व के केंद्र में हैं। ऐसे समय में, हिमाचल प्रदेश मानव विकास रिपोर्ट 2025, जिसे संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के साथ तैयार किया गया है, पूरे भारत के लिए एक दिशासूचक दस्तावेज़ के रूप में उभरकर सामने आई है।

यह ऐसी पहली रिपोर्ट है, जिसमें मानव विकास को जलवायु जोखिमों के साथ जोड़ा गया है। हिमाचल ने का मानव विकास सूचकांक 0.78 है, जो राष्ट्रीय औसत 0.63 से अधिक है, लेकिन अब जलवायु संकट इस प्रगति के लिए एक बड़ा खतरा बन गया है, जो न केवल हिमाचल प्रदेश, बल्कि पूरे देश के लिए चेतावनी है। हिमाचल का अनुभव अकेला नहीं है। केरल का सामाजिक मॉडल बाढ़ और तटीय क्षरण से जूझ रहा है। तमिलनाडु के औद्योगिक नगरों पर जलसंकट और प्रदूषण का दबाव है। ओडिशा और गुजरात राज्यों को चक्रवातों और हीटवेव से भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है। उत्तराखंड और सिक्किम पर्यटन, जलविद्युत और पर्यावरण संतुलन के बीच झूल रहे हैं। ।रिपोर्ट में, हिमाचल की बुजुर्ग होती आबादी, युवाओं का पलायन, जल संकट और आपदाएं-को चिन्हित किया गया है। देश-भर में बुजुर्गों का प्रतिशत 2050 तक 20 प्रतिशत तक पहुंच सकता है, जिससे वृद्ध स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक सुरक्षा का दबाव बढ़ेगा। खेती की घटती आय और सीमित औद्योगिकीकरण युवाओं को गांवों से शहरों की ओर धकेल रहा है। यह पलायन, हिमाचल की तरह, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को कमजोर बना रहा है। वहीं, पंजाब के सूखते भूमिगत जल, महाराष्ट्र के मराठवाड़ा की सूखे से जूझती जमीन, गंगा बेसिन का प्रदूषण और हिमाचल की सूखती धाराएं-सभी एक ही कहानी कहते हैं।। शहरी दबाव के चलते जहां शिमला, सोलन और मंडी जैसे शहर कचरा, ट्रैफिक और आवासीय दबाव से त्रस्त हैं, वहीं बेंगलुरु, पुणे और गुवाहाटी जैसे महानगर भी इसी असंतुलन के शिकार हैं। इसके लिए एकीकृत शहरी नियोजन और पर्यावरण-संवेदनशील निर्माण नीति की जरूरत है। पिछले पांच वर्षों में हिमाचल को आपदाओं से लगभग 46,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है, जो राज्य के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 4 प्रतिशत है। वर्ष 2023 में भारत-भर में 2,800 से अधिक लोगों की मृत्यु और 1.4 लाख करोड़ की क्षति जलवायु-जनित घटनाओं से हुई। हिमाचल का 75,000 करोड़ रुपये का ऋण बोझ यह दर्शाता है कि छोटे राज्यों की वित्तीय स्थिति कितनी नाजुक है। रिपोर्ट ने ग्रीन बॉन्ड, आपदा बीमा और कार्बन क्रेडिट जैसे उपाय सुझाए हैं। गुजरात ने पहले ही हरित ऊर्जा बॉन्ड जारी किए हैं और ओडिशा ने अपने बजट में जलवायु व्यय को शामिल किया है। हिमाचल का यह दृष्टिकोण बताता है कि हर राज्य यदि अपनी वित्तीय नीति को हरित और लचीला बनाए तो विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन संभव है।हिमाचल की सबसे बड़ी ताकत उसका सामाजिक समावेशन है। 58 प्रतिशत पंचायत सीटें महिलाओं के पास हैं, जिससे नीतिगत निर्णयों में लैंगिक दृष्टिकोण जुड़ गया है। अनुसूचित जाति-जनजाति समुदायों के लिए लक्षित योजनाएं और सार्वभौमिक स्वास्थ्य एवं शिक्षा सेवाएं इसे एक मानव-केंद्रित शासन मॉडल बनाती हैं।

दिल्ली धमाके के बाद कानपुर सेंट्रल में सुरक्षा घेरा मजबूत

जैश-ए-मोहम्मद की महिला विंग से जुड़ी डॉक्टर शाहीन के कानपुर कनेक्शन के बाद खुफिया अलर्ट

» प्रमुख संवाददाता/ स्वराज इंडिया

कानपुर। दिल्ली में दो दिन पहले हुए बम धमाके के बाद कानपुर को भी हाई अलर्ट पर रखा गया है। सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हैं और शहर के प्रमुख स्थानों पर चेकिंग अभियान तेज कर दिया गया है। मंगलवार को कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा बलों ने सघन तलाशी अभियान चलाया। यात्रियों के लगेज, वाहनों और स्टेशन परिसर में प्रवेश करने वाले हर व्यक्ति की जांच की गई। स्टेशन के मुख्य द्वार पर भी अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहा।

सूत्रों के मुताबिक, अलर्ट की बड़ी वजह हाल ही में देश के अंदर पकड़े गए स्लीपर सेल का नेटवर्क है। जिसमें जैश-ए-मोहम्मद की महिला विंग से जुड़ी एक महिला डॉक्टर का नाम भी सामने आया है। बताया जा रहा है कि वह 2013 तक जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में प्रोफेसर के तौर पर कार्यरत रही थी।

यहां पर उसके कई लोगों से संपर्क को भी टटोला जा रहा है। इसी संभावित कनेक्शन को ध्यान में रखते हुए शहर को संवेदनशील घोषित किया गया है। खुफिया एजेंसियों और पुलिस विभाग ने संयुक्त रूप से सुरक्षा व्यवस्था को सख्त कर दिया है। बस अड्डों, बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर भी सुरक्षा बलों की मौजूदगी बढ़ा दी गई है, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके।

शाहीन ने छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय से की थी पढ़ाई

लखनऊ निवासी शाहीन सईद का कानपुर से गहरा नाता रहा है। पहले यह जानकारी मिली थी कि वह शहर के एक मेडिकल कॉलेज में प्रोफेसर रह चुकी है, लेकिन अब खुफिया एजेंसियों के अनुसार उसने कानपुर यूनिवर्सिटी से लंबे समय तक पढ़ाई भी की थी। एजेंसियों को आशंका है कि पढ़ाई और नौकरी के दौरान शाहीन ने शहर में स्लीपर सेल का नेटवर्क तैयार किया हो सकता है। इस नई जानकारी के बाद कानपुर और आसपास के जिलों में एटीएस व खुफिया इकाइयों ने निगरानी बढ़ा दी है।

चलती ट्रेन से उतरने की कोशिश में यात्री की मौत

चौरीचौरा एक्सप्रेस से उतरते समय हुआ हादसा

» प्रमुख संवाददाता/ स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर सोमवार की सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब चौरीचौरा एक्सप्रेस से उतरने की कोशिश में एक यात्री की दर्दनाक मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रेन प्लेटफॉर्म से रवाना होकर अनवरगंज की दिशा में बढ़ रही थी, तभी एक यात्री चलती ट्रेन से उतरने का प्रयास करने लगा। इसी दौरान उसका पैर फिसल गया और वह ट्रेन व प्लेटफॉर्म के बीच जा गिरा। कुछ ही सेकंड में वह ट्रेन की चपेट में आ गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।सूचना मिलते ही जीआरपी और आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त की प्रक्रिया शुरू की। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। हादसे का वीडियो कुछ यात्रियों ने अपने मोबाइल कैमरे में कैद कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि सुरक्षा के मद्देनजर चलती ट्रेन से उतरने या चढ़ने की कोशिश न करें।

आनंदेश्वर कोल्ड स्टोर में आग साजिश या हादसा !

» बारा गांव स्थित कोल्ड स्टोर में लगी आग में जिंदा जला कैशियर , परिजनों के हंगामे के बाद खुला मौत का राज

» पुलिस और संचालक ने दबाए रखी घटना, हादसा या साजिश? जांच के घेरे में दोनों की भूमिका

» स्वराज इंडिया संवाददाता, कानपुर देहात।

बारा जोड़ के पास हाईवे स्थित आनंदेश्वर कोल्ड स्टोर में सोमवार देर रात लगी भीषण आग ने पूरे इलाके में दहशत फैला दी। फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां पूरी रात आग पर काबू पाने में जुटी रहीं, मगर लपटें सुबह तक धधकती रहीं। इस आग ने न सिर्फ लाखों का नुकसान किया, बल्कि एक युवा की जान भी ले ली – परिजनों का आरोप है कि मौत को पुलिस और कोल्ड स्टोर संचालक ने मिलकर छिपाने की कोशिश की।

जानकारी के मुताबिक, कोल्ड स्टोर में काम करने वाला कैशियर ऋषभ शर्मा (30 वर्ष) पुत्र मुन्नालाल शर्मा, निवासी बाढ़ापुर, आग की चपेट में आ गया और मौके पर ही जलकर मौत हो गई। वहीं, अंकित नामक एक मजदूर गंभीर रूप से झुलस गया, जिसे कानपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद पुलिस लगातार यह दावा करती रही कि फकिसी की मौत नहीं हुईफ, जबकि मंगलवार शाम जब मृतक के परिजन थाने पहुंचे और हंगामा किया, तब जाकर मौत की पुष्टि हुई। इसी के साथ पुलिस और संचालक दोनों की भूमिका संदेह के घेरे में आ गई।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, ऋषभ आखिरी बार कैश रूम में देखा गया था। आशंका जताई जा रही है कि आग लगने के बाद वह अंदर रखी नकदी निकालने के प्रयास में फंस गया। वहीं, संचालक पूरी रात केवल नुकसान का रोना रोता रहा और अपने कर्मचारी के लापता होने की बात छिपाता रहा।

परिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप

मृतक के पिता मुन्नालाल शर्मा ने कहा, अगर समय पर बचाव कार्य किया गया होता तो मेरे बेटे की जान बच सकती थी। मौत छिपाने की कोशिश कर पुलिस और संचालक दोनों ने अपराध किया है।

अकबरपुर के सीओ संजय वर्मा ने देर शाम बताया कि आग में एक व्यक्ति की मौत हुई है और एक घायल है, जिसकी हालत गंभीर है। हालांकि, कोतवाल हरमीत सिंह और संचालक दोनों ने पत्रकारों के फोन उठाना बंद कर दिया।

आग की सूचना और मौत की जानकारी दबाने की कोशिश के बाद ग्रामीणों और कर्मचारियों में गहरा आक्रोश है। लोग यह सवाल उठा रहे हैं कि आखिर इतनी बड़ी घटना को छिपाने की कोशिश क्यों की गई । क्या यह महज हादसा था या इसके पीछे कोई गहरी साजिश छिपी है?

मंगलवार शाम तक कोल्ड स्टोर की दीवारें धधकती रहीं और पुलिस ने क्षेत्र को घेरकर जांच शुरू की। घटना ने प्रशासनिक सतर्कता और औद्योगिक सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बाकरगंज बाजार में भीषण आग से 70 दुकानें खाक

करोड़ों का माल जलकर राख, शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका

प्रमुख संवाददाता / स्वराज इंडिया

कानपुर। बुधवार तडक़े बाकरगंज बाजार में अचानक भीषण आग लगने से हडक़ंप मच गया। सुबह करीब चार बजे लगी आग ने कुछ ही मिनटों में पूरे बाजार को अपनी चपेट में ले लिया। गल्ला, किराना, कपड़े, जूते-चप्पल और प्लास्टिक की करीब 70 दुकानें आग में जलकर राख हो गईं।स्थानीय लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही शहर के विभिन्न स्टेशनों से 10 दमकल गाडिय़ां मौके पर पहुंचीं और करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। तब तक अधिकांश दुकानें जल चुकी थीं।दुकानदारों ने बताया कि बाजार की दुकानें लकड़ी और टीन शेड की बनी थीं, जिससे आग तेजी से फैल गई। सौभाग्य से सुबह के समय बाजार बंद होने से कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन करोड़ों रुपये का नुकसान हो गया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी दीपक शर्मा ने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है, प्रारंभिक अनुमान है कि शॉर्ट सर्किट से आग लगी होगी।वहीं बाबूपुरवा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर क्षेत्र की घेराबंदी की और भीड़ को दूर किया।

ग्रीन पार्क में बैडमिंटन खेलते समय कारोबारी की गई जान

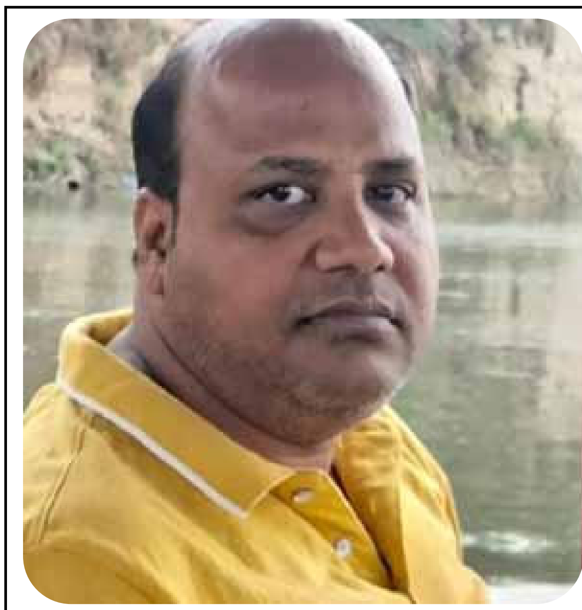

सर्दी बढ़ते ही बढ़े हृदय रोगियों के मामल बढ़े, कॉर्डियोलॉजी में मरीजों की संख्या में इजाफा

» प्रमुख संवाददाता / स्वराज इंडिया

कानपुर। सर्दी के मौसम के साथ अचानक कार्डियक अरेस्ट के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। बुधवार सुबह ग्रीन पार्क स्टेडियम के बैडमिंटन कोर्ट में खेलते समय 56 वर्षीय प्रशांत गुप्ता, निवासी आर्य नगर की अचानक तबीयत बिगड़ गई और कुछ ही देर में उनकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक प्रशांत गुप्ता को पहले से हृदय की बीमारी थी और हार्ट में स्टेंट डले थे।

सुबह करीब सवा सात बजे प्रशांत नियमित रूप से खेलने पहुंचे थे। लगभग आधे घंटे खेलने के बाद वह कुर्सी पर बैठते ही बेहोश होकर गिर पड़े। मौके पर मौजूद डॉ. प्रदीप टंडन ने तुरंत सीपीआर देकर उन्हें बचाने की कोशिश की और सोर्बिट्रेट की गोली भी दी गई। लेकिन हृदय रोग संस्थान ले जाते वक्त रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। कोच रमेश यादव ने बताया कि प्रशांत कई वर्षों से नियमित रूप से बैडमिंटन खेलते आ रहे थे और सक्रिय जीवनशैली अपनाए हुए थे। हृदय विशेषज्ञों का कहना है कि सर्दी के मौसम में बीपी और डायबिटिक मरीजों में हृदयाघात और सडन डेथ का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

पतले धान का कम मिल रहा भाव किसानों के चेहरे पर चिंता की लकीरें

खलिहानों में पड़ी फसल मेहनतकश अन्नदाता का टूटा मनोबल

सचिन सिंह चौहान

»स्वराज इंडिया न्यूज

माती (कानपुर देहात)। धान उत्पादक किसानों की मेहनत इस बार बाजार के मंदे भावों की भेंट चढ़ गई है। पतले धान की कीमतों में आई अप्रत्याशित गिरावट ने अन्नदाताओं की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। ऊँची लागत, श्रमसाध्य उत्पादन और कम उपज के बावजूद पतले धान को बाज़ार में मोटे धान से भी चार से पाँच सौ रुपए प्रति क्विंटल कम दाम पर खरीदा जा रहा है। परिणामस्वरूप किसान अब खलिहानों में सड़ती फसलों के बीच असमंजस की स्थिति में हैं।

क्षेत्र के गजनेर, मोहाना,कौसम ,मंगटा, रौगाव, कटेठी, पतरा, जुनिया, भदेशा निनाया, लोहारी, सैथा, जसवापुर, मुक्तापुर, मनेठू, सिकंदरपुर, भागीरथपुर, निनाय, रूपपुर, खनपना, भरतपुर पियासी, आलापुर, जिठरौली समेत दो दर्जन गांवों में इस वर्ष लगभग 80 प्रतिशत किसानों ने पतले धान की किस्में सरबती, गोल्डन, सोना आदि लगाई थीं। इनकी खेती में मोटे धान की तुलना में लगभग दोगुना उत्पादन लागत आई, पर बाजार में कीमत महज़ 18 सौ से 2 हजार रुपये प्रति क्विंटल ही मिल रही है, जबकि सरकार द्वारा मोटे धान का समर्थन मूल्य 2368 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है।

धान दिखाता हुआ किसान गणेश सिंह

किसानों का कहना है कि लागत और मेहनत के अनुपात में उन्हें मिल रहा दाम निराशाजनक और हतोत्साहित करने वाला है। अधिकांश किसान अब तक अपने धान को खलिहानों में ढेरों के रूप में संचित किए बैठे हैं, उम्मीद में कि शायद बाजार सुधरे।

परंतु, गेंहू की बुवाई का मौसम नज़दीक आने और खर्च के दबाव को देखते हुए कुछ किसान अब मजबूरी में आढ़तियों को कम भाव पर फसल बेचने लगे हैं। मंगटा गांव के किसान भोले सिंह , केशव सिंह, जीतबहादुर सिंह ने बताया मैंने दस बीघे खेत में पतले धान की रोपाई की थी। फसल तो अच्छी हुई, पर बाज़ार में दाम इतने गिर गए हैं कि बिक्री की हिम्मत नहीं पड़ रही। जब मोटे धान से भी कम भाव में पतला धान बिकेगा, तो आने वाले सालों में हम पतला धान छोडक़र मोटे धान की खेती ही करेंगे।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले किसान आज बाज़ार की अस्थिरता और सरकारी उदासीनता के बीच मुनाफे के बजाय नुकसान की फसल काटने को विवश हैं। एक ओर सरकारी खरीद केवल मोटे धान तक सीमित है, तो दूसरी ओर पतले धान के लिए कोई प्रभावी समर्थन तंत्र न होने से अन्नदाता खुद को ठगा-सा महसूस कर रहा है। यदि यही स्थिति बनी रही, तो विशेषज्ञों का कहना है कि अगले वर्ष पतले धान की बुवाई में भारी गिरावट देखने को मिलेगी, जिससे क्षेत्रीय कृषि पर गहरा असर पड़ सकता है।

कॉलेज जाने निकली छात्रा का शव रेलवे ट्रैक पर मिला

» पामां रेलवे स्टेशन यार्ड में शव मिला, पुलिस ने मौके पर जांच-पड़ताल की

»स्वराज इंडिया न्यूज

कानपुर देहात माती। गजनेर थाना क्षेत्र के पामां रेलवे स्टेशन यार्ड में मंगलवार की सुबह उस समय हडक़ंप मच गया, जब रेलवे ट्रैक पर एक छात्रा का क्षत-विक्षत शव पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर जांच-पड़ताल की। मृतका की शिनाख्त रिया (17) पुत्री जमुना प्रसाद शर्मा निवासी रनिया के रूप में हुई, जो राजकीय इंटर कॉलेज रनिया की कक्षा 11 की छात्रा थी।घटना सुबह लगभग 10 बजे की है। रेलवे यार्ड में खंभा संख्या 1317/9, 1317/11 के बीच ट्रैक पर पड़ी लाश देखकर पॉइंट्समैन संदीप यादव ने तत्काल इसकी सूचना चौकी प्रभारी पामां शोभित कटियार को दी। चूंकि घटना रेलवे परिसर के भीतर की थी, इसलिए जीआरपी भीमसेन को भी सूचना दी गई। मौके पर पहुँची जीआरपी टीम ने छानबीन कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। छात्रा के बैग में मिली डायरी से पिता का मोबाइल नंबर मिलने पर रेलवे कर्मियों ने उन्हें सूचना दी। खबर मिलते ही परिजन रोते-बिलखते घटनास्थल पर पहुँचे। पिता जमुना प्रसाद शर्मा ने बताया कि उनकी बेटी रिया रोज़ाना की तरह मंगलवार सुबह सवा नौ बजे साइकिल से कॉलेज जाने की बात कहकर निकली थी। कुछ ही देर बाद उसकी मौत की सूचना मिली। मां आरती देवी और भाई कार्तिक का रो-रोकर बुरा हाल है। थाना प्रभारी जनार्दन प्रताप सिंह ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है।

रूरा कस्बे में शतचंडी महायज्ञ का शुभारंभ

» भव्य कलश यात्रा के साथ गूंजी भक्तिभाव की गंगा

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रूरा नगर के पाथामाई मंदिर परिसर में शतचंडी महायज्ञ का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार और पूजन विधियों के साथ श्रद्धा और भक्ति के माहौल में हुआ। आचार्य विपिन तिवारी (बिठूर) ने सह-आचार्यों के साथ यज्ञशाला में विधिवत पूजन-पाठ कर कलश स्थापना कराई।

पूजन के बाद महिलाओं ने सिर पर कलश रखकर मंगलगीत गाते हुए गाजे-बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली। यात्रा मंदिर परिसर से मुख्य मार्गों का भ्रमण करते हुए बालाजी धाम पहुंची, जहां नहर से जल भरकर जयघोष करते हुए श्रद्धालु वापस कथा पंडाल लौटे। पूरे नगर में जय माता दी और हर-हर महादेव के उद्घोष से वातावरण भक्तिमय हो उठा।कलश यात्रा में महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर कलश रखे चल रही थीं, जबकि युवकों की टोली हाथों में ध्वज-पताकाएं लिए डीजे की धुनों पर नृत्य करती हुई उत्सव का उल्लास बढ़ा रही थी।

कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष रामजी गुप्ता, रवि शशि दुबे, शरद मिश्रा, शिव कुमार त्रिवेदी, प्रकाश वर्मा, मोनू गुप्ता, शरद शुक्ला , शुभम त्रिवेदी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। महिलाओं में गरिमा त्रिवेदी, आशा दुबे, सत्यवती, मनोरमा, आकांक्षा, दृष्टि, मीरा, खुशबू, क्षमा, रेखा, आर्या और गोलू आदि ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

पूरे कार्यक्रम स्थल पर वेदमंत्रों की गूंज और भक्तिभाव से वातावरण सराबोर रहा। यज्ञ के दौरान प्रतिदिन कथा और भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

जनता के मुद्दे पर उतरे पूर्व पार्षद को पार्टी ने थमाया नोटिस

» केडीए के खिलाफ धरना देने वाले पूर्व पार्षद अशोक दुबे से बीजेपी से स्पष्टीकरण तलब,

» अशोक दुबे बोले जनता की लड़ाई लड़ी तो क्या गलत किया?

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। जनता के मुद्दे उठाने पर भाजपा में अनुशासन बनाम जनहित की बहस छिड़ गई है। पनकी क्षेत्र के पूर्व पार्षद अशोक दुबे को बिना पार्टी संगठन को सूचित किए केडीए (कानपुर विकास प्राधिकरण) के खिलाफ धरना प्रदर्शन करने पर भाजपा उत्तर अध्यक्ष अनिल दीक्षित ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है 3 नवंबर 2025 को अशोक दुबे ने केडीए कार्यालय पर आवंटियों की समस्याओं को लेकर धरना दिया था। उस दौरान जमकर नारेबाजी की गई थी। आरोप था कि प्राधिकरण बीते ढाई वर्षों से आवंटियों की रजिस्ट्री लंबित रखे हुए है और लोगों को बार-बार कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

स्वराज इंडिया

केडीए दफ्तर में प्रदर्शन कर सीवर समस्या पर जताया आक्रोश

» रतनपुर, गंगागंज और सेक्टर-14 के लोगों का फूटा गुस्सा, वर्षों से लंबित समस्याओं पर उठी कार्रवाई की मांग

पार्टी अनुशासन के विपरीत बताए गए इस धरने पर अब संगठन ने सवाल उठाया है। भाजपा प्रदेश नेतृत्व ने अशोक दुबे से एक सप्ताह के भीतर लिखित स्पष्टीकरण मांगा है कि उन्होंने बिना संगठन की अनुमति के यह कदम क्यों उठाया

वहीं, नोटिस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए अशोक दुबे ने कहा, फ्मुझे नोटिस की जानकारी मीडिया से मिली है। मैं जनता की आवाज़ उठाने के लिए केडीए गया था, किसी व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं। जनता परेशान है, प्राधिकरण जवाब नहीं दे रहा – तो क्या उनकी पीड़ा भी अब संगठन विरोधी मानी जाएगी?

स्थानीय राजनीतिक गलियारों में इस घटनाक्रम को लेकर चर्चाएं तेज हैं। एक ओर पार्टी संगठन अनुशासन की दुहाई दे रहा है, वहीं दूसरी ओर कार्यकर्ता सवाल उठा रहे हैं कि यदि जनहित की बात उठाना 'अनुशासनहीनता' है, तो जनता की समस्याओं का समाधान कौन करेगा।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह मामला सिर्फ एक नोटिस तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि भाजपा के भीतर स्थानीय स्तर पर असंतोष और कार्यकर्ताओं के मनोभाव को उजागर कर सकता है।

सीएम योगी का निर्देश: लखनऊ में एलडीए बनाएगा 5 हजार सस्ते आवास

प्रत्येक फ्लैट की कीमत करीब 10 लाख रुपये तय

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में आम जनता को किफायती दरों पर आवास उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) अब 5 हजार सस्ते आवास (फ्लैट) का निर्माण करने जा रहा है। इन आवासों की कीमत लगभग 10 लाख रुपये तय की जाएगी, ताकि निम्न आय वर्ग के परिवार भी आसानी से अपना घर खरीद सकें।

एलडीए प्रशासन ने इस नई योजना के लिए जमीन तलाशने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अर्जन विभाग को उपयुक्त जमीन चिह्नित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। प्रारंभिक रूप से अनंत नगर, नैमिष नगर और वरुण विहार क्षेत्रों को संभावित स्थलों के रूप में चिन्हित किया जा रहा है, जहां आवश्यक सुविधाओं के साथ बहुमंजिला आवासों का निर्माण किया जाएगा।

इससे पहले डालीबाग क्षेत्र में एलडीए ने वर्ग के लिए आवास योजना शुरू की थी, जिसमें कुल 8184 आवेदकों में से केवल 72 लोगों को ही आवास मिल सका था। बाकी हजारों लोगों को निराशा का सामना करना पड़ा था। इस स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री ने अफसरों को निर्देश दिया कि लखनऊ जैसे बड़े शहर में सस्ते आवासों की संख्या बढ़ाई जाए, ताकि हर जरूरतमंद परिवार को छत मिल सके।

एलडीए अधिकारियों का कहना है कि यह परियोजना मुख्यमंत्री की हर परिवार को घर की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगी। निर्माण कार्य को चरणबद्ध तरीके से पूरा करने की योजना है।

एलडीए उपाध्यक्ष ने बताया कि सभी फ्लैटों में मूलभूत सुविधाएं जैसे जलापूर्ति, सीवरेज, विद्युत और हरित क्षेत्र का विशेष ध्यान रखा जाएगा। जल्द ही योजना के नक्शे, पंजीकरण प्रक्रिया और आवंटन के नियमों की घोषणा की जाएगी।

सरकार और प्राधिकरण का लक्ष्य है कि आने वाले वर्षों में लखनऊ को आवासीय रूप से आत्मनिर्भर शहर बनाया जा सके, जहां हर वर्ग के लोगों को अपने बजट के अनुरूप घर उपलब्ध हो।

दिल्ली ब्लास्ट का आगरा कनेक्शन उजागर

» एसएन मेडिकल कॉलेज का पूर्व डॉक्टर परवेज अंसारी हिरासत में

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

दिल्ली/आगरा। राजधानी दिल्ली में हुए भीषण ब्लास्ट में 12 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। एलएनजेपी अस्पताल में अब तक 8 शवों की पहचान कर ली गई है, जिन्हें परिजनों को सौंप दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, 4 शवों के सिर्फ शरीर के अंग मिले हैं, जिनका डीएनए एनालिसिस जारी है ।इस बीच, जांच में दिल्ली धमाके का आगरा कनेक्शन सामने आया है। खुफिया एजेंसियों ने लखनऊ से डॉ. परवेज अंसारी को हिरासत में लिया है। बताया जा रहा है कि परवेज आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज से वर्ष 2015 में एमडी की डिग्री प्राप्त कर चुका है। इसके बाद उसने कॉलेज में सीनियर रेजिडेंट के रूप में कार्य किया और 2016 में इस्तीफा दे दिया था ।परवेज, दिल्ली धमाके की संदिग्ध डॉक्टर शाहीन अंसारी का सगा भाई बताया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, धमाका आत्मघाती हमला था, जिसे अल फलाह यूनिवर्सिटी फरीदाबाद से जुड़े डॉ. उमर मोहम्मद ने अंजाम दिया। धमाका आई–20 कार में हुआ, जिसमें उमर की मौत हो गई। कार के अंदर से उसके शव के टुकड़े बरामद हुए हैं। डीएनए जांच के लिए जम्मू से उमर के परिजनों को बुलाया गया है ।अब जांच एजेंसियां आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज के पुराने रिकॉर्ड खंगालने में जुटी हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या परवेज का अब भी आगरा से कोई संपर्क बना हुआ था ।वहीं, खुफिया सूत्रों का कहना है कि अल फलाह यूनिवर्सिटी के दो अन्य डॉक्टर – मुजम्मिल और शाहीन – भी जांच के दायरे में हैं। एजेंसियां इस नेटवर्क को तोड़ने के लिए आगरा, फरीदाबाद और दिल्ली में संयुक्त छापेमारी कर रही हैं।

दिल्ली धमाके के बाद प्रयागराज में हाई अलर्ट

सीपी जोगेंद्र कुमार ने शहर भर में किया पैदल गश्त

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

प्रयागराज। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास सोमवार शाम हुए भीषण बम विस्फोट के बाद पूरे देश में सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर हैं। इसी क्रम में प्रयागराज पुलिस कमिश्नरेट ने भी सुरक्षा व्यवस्था को सख्त करते हुए शहरभर में हाई अलर्ट घोषित किया।

पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार ने भारी पुलिस बल के साथ विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में पैदल गश्त कर सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया। उन्होंने रेलवे स्टेशन, बस अड्डे, प्रमुख बाजारों और धार्मिक स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था की बारीकी से समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना देने के निर्देश दिए।

सीपी ने कहा कि दिल्ली विस्फोट की घटना के मद्देनज़र प्रयागराज पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। बम निरोधक दस्ते, एंटी-सबोटाज टीम, जीआरपी, आरपीएफ, अभिसूचना इकाई, पीएसी और अन्य फील्ड यूनिट को सघन चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं।उन्होंने यह भी कहा कि भीड़भाड़ वाले इलाकों में पेट्रोलिंग बढ़ाई जा रही है और सुरक्षा की दृष्टि से अतिरिक्त फोर्स तैनात की गई है। शहर में जगह-जगह बैरिकेडिंग कर वाहनों की जांच की जा रही है।सीपी जोगेंद्र कुमार ने अपील की कि नागरिक अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

लखनऊ में मंदिर हड़पने की साजिश पर कोर्ट के आदेश से एफआईआर

» धार्मिक स्थलों पर मंडरा रहा है कब्जे का खतरा, प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ।उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में श्रद्धा और आस्था के प्रतीक मंदिर भी अब जमीन माफियाओं और जालसाजों के निशाने पर आ गए हैं। ऐशबाग क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध राम जानकी मंदिर को हड़पने की साजिश का खुलासा हुआ है, जिसमें फर्जी दस्तावेज तैयार कर मंदिर पर कब्जे की कोशिश की गई।

जानकारी के मुताबिक, उत्तर प्रदेश यज्ञसेनी वैश्य हलवाई महासभा के अध्यक्ष शिव प्रसाद गुप्ता ने अपने भाई ओमप्रकाश गुप्ता के साथ मिलकर ऐशबाग में राम जानकी मंदिर का निर्माण कराया था। शिव प्रसाद गुप्ता के निधन के बाद ओमप्रकाश गुप्ता मंदिर के प्रबंधक के रूप में देखरेख कर रहे थे। इसी बीच, संस्था के नवीनीकरण के बहाने नीरज गुप्ता नामक व्यक्ति ने कथित रूप से जालसाजी करते हुए ओमप्रकाश गुप्ता के हस्ताक्षरों का दुरुपयोग किया और अपने साथियों के साथ मिलकर फर्जी दस्तावेज तैयार कर मंदिर पर कब्जे की कोशिश शुरू कर दी।

आरोप है कि नीरज गुप्ता, प्रवीण और अमित नामक तीन व्यक्तियों ने रजिस्ट्रार सोसाइटी कार्यालय, विकासदीप बिल्डिंग के चार कर्मचारियों की मदद से यह कूटरचित दस्तावेज तैयार किए। इतना ही नहीं, आरोपियों ने मंदिर के दानपात्र को तोड़कर चढ़ावे की रकम भी चोरी कर ली।

लगातार शिकायतों के बाद अब अदालती आदेश पर नीरज गुप्ता, प्रवीण, अमित और चार सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। मंदिर प्रबंधक ओमप्रकाश गुप्ता ने कहा कि भगवान के नाम पर जालसाजी करने वाले ऐसे लोगों को तुरंत गिरफ्तार कर कठोर दंड दिया जाना चाहिए।

उन्होंने पुलिस और प्रशासन से मंदिर और अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह कोई एकलौती घटना नहीं है , शहर में कई मंदिरों और धार्मिक ट्रस्टों को फर्जी दस्तावेजों के सहारे हड़पने की साजिशें चल रही हैं। धार्मिक स्थलों की संपत्तियों को लेकर प्रशासन को अब ठोस कदम उठाने की जरूरत है ताकि श्रद्धा का केंद्र रहे मंदिरों को भ्रष्ट तत्वों से बचाया जा सके।

अयोध्या में होटल प्रणव इन में सेक्स रैकेट का पर्दाफाश

कॉलेज के पास चल रहा था देह व्यापार का धंधा, होटल मालिक पर एफआईआर दर्ज

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। शहर के शिक्षण संस्थानों के आसपास अपराधियों की सक्रियता एक बार फिर उजागर हुई है। झुनझुनवाला डिग्री कॉलेज, आशापुर के निकट स्थित होटल प्रणव इन में पुलिस ने सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है।

पुलिस टीम ने दबिश देकर होटल से एक युवती को पकड़ा। पूछताछ में युवती ने खुलासा किया कि उसे अक्सर देह व्यापार के लिए बुलाया जाता था और इसके बदले उसे 500 रुपये दिए जाते थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए होटल मालिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने होटल को तत्काल सील कर दिया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह होटल लंबे समय से संदिग्ध गतिविधियों का अड्डा बना हुआ था। स्थानीय लोगों की शिकायत पर कार्रवाई की गई।

जांच में यह भी पता लगाया जा रहा है कि इसमें और कौन लोग शामिल हैं तथा क्या अन्य होटल भी इस गिरोह से जुड़े हैं। अयोध्या पुलिस ने चेतावनी दी है कि शिक्षण संस्थानों और धार्मिक स्थलों के आसपास किसी भी अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अयोध्या

इनायतनगर में चल रही

'जहरीली यूरिया फैक्ट्री' का भंडाफोड़, संचालक भागे

प्रशासन को भनक नहीं लगी, पुलिस, प्रशासन और कृषि विभाग ने की कार्रवाई

» बीएस-6 गाड़ियों में इस्तेमाल होने वाला नकली डीईएफ बनाता था गिरोह,

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में पुलिस, प्रशासन और कृषि विभाग की संयुक्त टीम ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए नकली यूरिया फ्लूइड (डीईएफ) बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया। यह फैक्ट्री मिल्कीपुर तहसील के इनायतनगर थाना क्षेत्र के बसवारकला पूरेकेशव तिवारी गांव में चल रही थी। छापेमारी के दौरान फैक्ट्री संचालक अशोक तिवारी और राकेश तिवारी पुत्र आदित्य प्रताप तिवारी मौके से फरार हो गए।

फैक्ट्री में जांच करती पुलिस

स्वराज इंडिया Xक्लूसिव

जांच में सामने आया है कि यह अवैध फैक्ट्री पिछले दो वर्षों से सक्रिय थी और किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी।

फैक्ट्री का संचालन गांव के ही निवास स्थान से किया जा रहा था।

डीईएफ बीएस-6 गाडियों में प्रदूषण कम करने के लिए इस्तेमाल होता है। इस नकली घोल में रासायनिक अनुपात से छेड़छाड़ कर खराब क्वालिटी का यूरिया फ्लूइड तैयार किया जा रहा था, जो गाडियों के इंजन को नुकसान पहुँचाने के साथ पर्यावरण के लिए भी हानिकारक है। संयुक्त टीम ने छापेमारी के दौरान रॉ मटेरियल, मशीनें, प्लास्टिक कैन, नकली पैकिंग पाउच, और लेबलिंग सामग्री बरामद की।

सारा सामान कब्जे में लेकर फैक्ट्री को सील कर दिया गया है। पुलिस का कहना है कि बरामद सामग्री को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा ताकि नकली यूरिया फ्लूइड की रासायनिक संरचना की पुष्टि की जा सके। इस संयुक्त अभियान का नेतृत्व उप जिला अधिकारी मिल्कीपुर सुधीर कुमार ने किया। कार्रवाई में पुलिस क्षेत्राधिकारी श्रीयश त्रिपाठी, थाना अध्यक्ष इनायतनगर रतन शर्मा, थाना प्रभारी कुमारगंज ओमप्रकाश और कृषि विभाग की टीम शामिल रही। टीम ने मौके पर घंटों तक छानबीन की और आवश्यक दस्तावेज़ जब्त किए।

सीओ बोले, फैक्ट्री सील, जांच जारी

सीओ श्रीयश त्रिपाठी ने बताया कि टीम ने मौके से नकली डीईएफ बनाने का पूरा सेटअप जब्त किया है। फैक्ट्री को सील कर दिया गया है और रॉ मटेरियल समेत अन्य उपकरण थाने ले जाया गया है। आरोपियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

दो साल तक किसकी थी 'सुरक्षा छतरी'?

फैक्ट्री दो साल से संचालित हो रही थी, और प्रशासन को भनक तक नहीं लगी यह सवाल अब पूरे जिले में चर्चा का विषय है। क्या यह केवल स्थानीय स्तर की लापरवाही थी या किसी की मौन सहमति से चल रहा था यह खेल? गांव में चर्चा है कि इस काम से हर महीने लाखों रुपये का अवैध मुनाफा हो रहा था।

डीईएफ क्या है और क्यों जरूरी

डीईएफ यानी में 32.5त्न यूरिया और 67.5त्न डीआयनाइज्ड पानी का मिश्रण होता है, जो डीज़ल वाहनों से निकलने वाले नाइट्रोजन ऑक्साइड को नाइट्रोजन और पानी में बदलता है। इससे वायु प्रदूषण कम होता है। लेकिन नकली डीईएफ से न केवल गाड़ी का इंजन खराब होता है बल्कि प्रदूषण कई गुना बढ़ जाता है।

दिल्ली धमाके के बाद अयोध्या में खुफिया निगहबानी तेज

25 नवंबर को अयोध्या में पीएम का आगमन

» अयोध्या में कई बस्तियों में बाहरी लोग आकर बसे, पुलिस नहीं डाल रही नजर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।दिल्ली के लाल किले के पास हुए आतंकी धमाके के बाद पूरे देश की सुरक्षा एजेंसियाँ सक्रिय हो गई हैं। सूत्रों का कहना है कि जांच एजेंसियों को अब यह शक है कि आतंकी नेटवर्क की जड़ें उत्तर भारत के कई जिलों में फैली हुई हैं, जिनमें अयोध्या का नाम भी शामिल है। 25 नवम्बर को प्रधानमंत्री के अयोध्या आगमन से पहले खुफिया एजेंसियों की निगाहें यहां टिक गई हैं। इसको देखते हुए सुरक्षा बलों ने भी अयोध्या की निगहबानी करनी शुरू कर दी है।

सूत्रों के अनुसार अयोध्या के विद्या कुंड के आगे एक झुंडनुमा बस्ती बन चुकी है। कोई उन्हें रोहिंग्या कहता है, कोई बांग्लादेशी, तो कोई बंगाली मजदूर। आश्चर्य की बात यह है कि इनके पास न केवल आधार कार्ड हैं, बल्कि मोबाइल सिम और बैंक खाते तक हैं।

सूत्रों का कहना है कि अयोध्या के ही कुछ स्थानीय लोगों ने इन्हें मकान किराए पर दे रखे हैं, जिनसे हर महीने किराया वसूला जा रहा है। सवाल यह है कि जब इनकी पहचान तक स्पष्ट नहीं, तब इन्हें ठिकाना किस भरोसे पर दिया गया? कुछ स्थानीय लोगों की जेब में पहुँचने वाला चंद किराया शहर की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बनता जा रहा है। सूत्रों के अनुसार इन बाहरी लोगों में कई ऐसे हैं जो बार-बार अपनी पहचान बदलते रहते हैं कभी बंगाल का बताते हैं, कभी बांग्लादेश का, तो कभी किसी और देश का।

अब सवाल यह है कि इनका असली चेहरा कौन जानता है? इन्हें यहाँ तक पहुंचाने वाला, इन्हें ट्रेंड करने वाला और पहचान पत्र बनवाने वाला आखिर कौन है? अयोध्या के सहनवा क्षेत्र में कबाड़ का काम करने वाले कुछ लोगों पर भी नजरें टिक चुकी हैं। सूत्र बताते हैं कि इनमें कई लोग बांग्लादेश से आए हैं और अब स्थानीय पहचान बना चुके हैं। वहीं सरेठी गांव में स्थिति और गंभीर है यहाँ करीब 30 साल से कुछ बाहरी परिवार रह रहे हैं, जिन्होंने न केवल आधार कार्ड और वोटर कार्ड बनवा लिए हैं बल्कि जमीनें तक खरीद ली हैं और मतदान भी करते हैं। यह साफ संकेत है कि ये लोग किसी मिशन के तहत यहाँ बसाए जा रहे हैं या किसी बड़े नेटवर्क के हिस्से हैं। अयोध्या, जो रामलला की नगरी और देश की धार्मिक राजधानी मानी जाती है, क्या अब घुसपैठियों के लिए सुरक्षित आश्रय बनती जा रही है? क्या यह वही अयोध्या है जहाँ श्रद्धालु आस्था से सिर झुकाने आते हैं, और अब वहीं संदिग्ध लोग नकली पहचान के साथ बसते जा रहे हैं? जब प्रधानमंत्री का दौरा निकट है, तब यह सवाल और गंभीर हो जाता है कि आखिर प्रशासन कब इन लोगों की सघन जांच करेगा।

दिल्ली ब्लास्ट पर संजय सिंह ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना

» अयोध्या के सरयू से संगम तक निकालेंगे 'रोजगार दो, सामाजिक न्याय दो' पदयात्रा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। दिल्ली के लाल किले पर हुए आतंकी हमले को लेकर आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने केंद्र सरकार पर तीखा प्रहार किया। अयोध्या के कैंट क्षेत्र स्थित एक होटल में प्रेस वार्ता करते हुए उन्होंने कहा कि देश की राजधानी के प्रतीक लाल किले पर धमाका होता है, 9 लोगों की मौत हो जाती है, कई घायल जिंदगी और मौत के बीच झूल रहे हैं और प्रधानमंत्री मोदी भूटान में राजा के जन्मदिन की पार्टी में शामिल होकर भाषण दे रहे हैं!

संजय सिंह ने कहा कि लालकिले से हर वर्ष प्रधानमंत्री देश को संबोधित करते हैं, वहीं आज उसी लालकिले के पास धमाका हुआ और प्रधानमंत्री का ध्यान देश के नागरिकों की ओर नहीं है। उन्होंने तंज कसा प्रधानमंत्री ने कहा था कि भारत पर कोई आतंकी हमला होगा तो उसे युद्ध माना जाएगा। लेकिन अब खुद के शासन में हमला हुआ, तो युद्ध की जगह चुप्पी छा गई!

निकालेंगे 180 किलोमीटर की पदयात्रा

सांसद संजय सिंह ने घोषणा की कि वे 12 से 24 नवंबर तक रोजगार दो, सामाजिक न्याय दो नाम से 180 किलोमीटर लंबी पदयात्रा निकालेंगे। यह यात्रा अयोध्या की सरयू नदी से शुरू होकर प्रयागराज के संगम तक जाएगी।उद्देश्य बेरोजगारी, किसानों की दुर्दशा, कुटीर उद्योगों की उपेक्षा, शिक्षकों, आशा बहुओं और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की समस्याओं को उजागर करना है।

लाल किले धमाके में घायल हुए लोगों से मिले पीएम मोदी

पीड़ितों को दिया आश्वासन कहा- दोषियों को नहीं बख्शेंगे

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को लोकनायक जयप्रकाश नारायण (एलएनजेपी) अस्पताल का दौरा कर लाल किले के पास हुए विस्फोट के पीड़ितों से मुलाकात की। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस साजिश के पीछे के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा और उन्हें कटघरे में लाया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी भूटान से लौटने के बाद सीधे अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायलों से बातचीत की और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इस दौरान, अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद थी। अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री को अस्पताल में डॉक्टरों और अन्य संबंधित अधिकारियों द्वारा स्थिति की जानकारी भी दी गई।

यह विस्फोट सोमवार को लाल किले के ट्रैफिक सिग्नल के पास एक धीमी गति से चल रहे वाहन में हुआ था, जिसमें 12 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी। इस घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया।

इससे पहले, सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी अस्पताल जाकर घायलों से मुलाकात की थी और उनका हालचाल जाना था। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, एलएनजेपी अस्पताल जाकर दिल्ली में हुए विस्फोट के घायलों से मिला। सभी के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

दो कारों से आए थे आतंकी, एक कार अभी भी घूम रही

राष्ट्रीय राजधानी में आतंकी हमले का खतरा अभी टला नहीं हैं। अभी भी एक संदिग्ध आतंकी दिल्ली में बेलगाम घूम रहा है। ये खुलासा घटनास्थल के पास पार्किंग और घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी कैमरों से हुआ है। एक आतंकी लाल रंग की ईको स्पोर्टस कार से घूम रहा है।

इस कार का रजिस्ट्रेशन नंबर दिल्ली का है। ऐसे में दिल्ली पुलिस समेत देश की सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मचा हुआ है। जांच में आई इस बात के बाद पूरी दिल्ली में हाई अलर्ट कर दिया गया है। दिल्ली में सभी वीवीआईपी, एतिहासिक व बाजारों खासकर भीड़भाड़ वाली जगहों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ पुलिस सूत्रों ने बताया कि आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद का फरीदाबाद मोड्यूल के संदिग्ध फरीदाबाद में पुलिस की दबिश बढ़ने के बाद दिल्ली में दो कारों से पहुंचे थे। एक कार, जोकि हरियाणा नंबर की है, से लालकिले के सामने बम धमाका किया गया है।

जबकि दूसरी कार अभी दिल्ली में बेलगाम घूम रही है। इस कार का रजिस्ट्रेशन नंबर-डीएल-10 सीके 045.. हैं। ये ईको स्पोर्टस कार हैं और इसका रंग लाल है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोनों कारें एक साथ दिल्ली पहुंची थी और चांदनी चौक पार्किंग में भी एक ही साथ थीं। इस कार में एक संदिग्ध सवार था और वह आई-20 कार में सवार संदिग्धों से बात भी कर रहा था। स्पेशल सेल के एक अधिकारी ने बताया कि ये दोनों कारें बदरपुर बॉर्डर से एक साथ ही दिल्ली घुसी थीं। साथ ही चांदनी चौक व लालकिले के आसपास एक साथ घूम रही थी। दिल्ली पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार देर रात तक इस कार व उसमें सवार संदिग्ध के बारे में कोई सुराग हाथ नहीं लगा था। जांच में ये बात सामने आने के बाद दिल्ली में जगह-जगह पिकेट लगाकर वाहनों की चेकिंग शुरू कर दी गई थी।

सुरक्षा एजेंसियों की शुरुआती जांच में लाल किला के पास बम धमाके को डर और लापरवाही का नतीजा बताया जा रहा है। आतंकी भले ही दिल्ली को दहलाने में कामयाब हो गए हो लेकिन देश की सुरक्षा एजेंसियों ने आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद की देश को दहलाने या देश में बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया।

उत्तर प्रदेश को मिला बिजनेस रिफॉर्म एक्शन प्लान अवार्ड

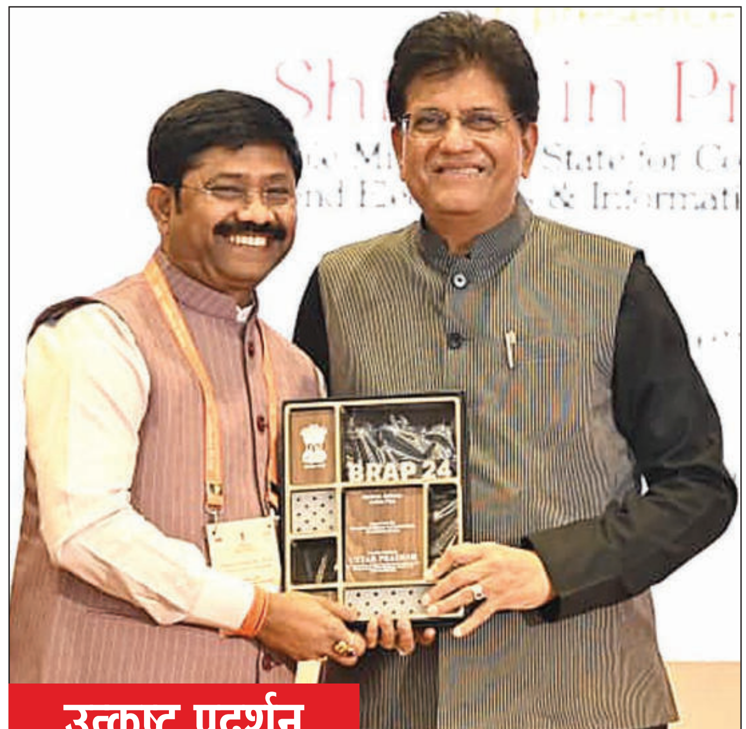

उत्कृष्ट प्रदर्शन

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

नई दिल्ली। नई दिल्ली में आयोजित उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार (डीपीआईआईटी) की राष्ट्रीय बैठक में उत्तर प्रदेश को बिजनेस रिफॉर्म एक्शन प्लान अवार्ड 2024 से सम्मानित किया गया है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यह पुरस्कार उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी को प्रदान किया।

उत्तर प्रदेश को यह पुरस्कार व्यवसाय केंद्रित सुधारों के तीन प्रमुख क्षेत्रों बिजनेस एंट्री, श्रम विनियमन समर्थक नीति और भूमि प्रशासन में बेहतर प्रदर्शन के लिए दिया गया है। नन्दी ने कहा औद्योगिक नीतियों के क्रियान्वयन में परफेक्शन ने निवेशकों का परसेप्शन बदला है। भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित है, और इसमें उत्तर प्रदेश की भूमिका बेहद अहम है। बीते आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने उल्लेखनीय औद्योगिक उपलब्धियां हासिल की हैं। वर्ष 2022 में प्रदेश को ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में टॉप अचीवर्स श्रेणी में स्थान मिला था, जबकि 2022, 2023 और 2024 में लॉजिस्टिक परफॉर्मेंस इंडेक्स में भी प्रदेश अचीवर्स रहा। वर्ष 2021 में उत्तर प्रदेश ने गुड गवर्नेंस इंडेक्स में प्रथम तथा एक्सपोर्ट प्रिपेयर्डनेस इंडेक्स में द्वितीय स्थान प्राप्त किया था।

गौरतलब है कि राज्य ने पिछले कुछ वर्षों में निवेशकों के लिए सुगम, पारदर्शी और अनुकूल औद्योगिक वातावरण तैयार किया है। निवेश मित्र सिंगल विंडो पोर्टल, 30 से अधिक सेक्टोरल नीतियां, उद्यमी मित्रों की नियुक्ति, और इन्वेस्ट यूपी की सक्रिय भूमिका जैसे कदमों ने उत्तर प्रदेश को देश के सबसे इन्वेस्टमेंट-फ्रेंडली राज्यों में शामिल कर दिया है।

हैंडीक्राफ्ट कारखाने में लगी भीषण आग, विस्फोट से मची अफरा-तफरी

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

संभल। सरायतरीन के मोहल्ला भूड़ा में वसीम के हैंडीक्राफ्ट कारखाने में भीषण आग लग गई। कारखाने में केमिकल के ड्रम होने के कारण आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया। करीब 500 मीटर दूर से भी आग का धुआं दिखाई देने लगा।

एहतियातन आसपास के करीब एक दर्जन घरों को खाली कर लिया गया। पुलिस के संभल और बहजोई से दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने आग पर पानी डालकर बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। इस बीच केमिकल के ड्रम के फटने की आवाज भी आती रही। आग की घटना से इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है, हालांकि आसपास के घरों की छतों पर लोग जमा होकर नजारे को देख रहे हैं। लोग ऊपर वाले से आग पर काबू पाए जाने के लिए दुआएं कर रहे हैं। सीओ आलोक कुमार भी मौके पर पहुंचे हैं।

माना जा रहा है कि शार्ट सर्किट की वजह से कारखाने में आग लगी। पहले लकड़ी का समान जलने लगा और फिर केमिकल को भी आग ने चपेट में ले लिया। जिस वक्त कारखाने में आग लगी उस समय मजदूर काम कर रहे थे, जिन्होंने किसी तरह भाग कर जान बचाई।

ये स्वर्णिम इतिहास का स्मरण कराने वाला क्षण: सीएम योगी

लखनऊ में विश्वकप ट्रॉफी का स्वागत करते हुए बोले मुख्यमंत्री

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। देशभर के विभिन्न शहरों से होते हुए जूनियर हॉकी विश्वकप की ट्रॉफी बुधवार को लखनऊ पहुंची। ट्रॉफी के स्वागत समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश में इस ट्रॉफी का आना उत्तर प्रदेश के स्वर्णिम इतिहास का स्मरण करवाने वाला क्षण भी है। हॉकी इंडिया में उत्तर प्रदेश का योगदान अविस्मरणीय है। हॉकी के जादूगर के रूप में विख्यात मेजर ध्यानचंद ने इसी उत्तर प्रदेश की धरती पर जन्म लिया था... उत्तर प्रदेश के अंदर ही मेजर ध्यानचंद की इन स्मृतियों को बनाए रखने के लिए हमारी सरकार मेरठ में मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स विश्वविद्यालय के निर्माण का कार्य कर रही है... इसके साथ ही भारतीय हॉकी से जुड़े हुए और भारतीय हॉकी के बहुत ही यशस्वी खिलाड़ी के.डी. सिंह बाबू का जन्म भी उत्तर प्रदेश में हुआ था। उनकी स्मृति को जीवंत बनाए रखने के लिए बाराबंकी में स्थित उनके पैतृक आवास को एक बेहतर म्यूजियम के रूप में बनाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार वर्तमान में कार्यवाई कर रही है।

मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश हॉकी खिलाड़ियों का भी जिक्र किया और कहा कि प्रदेश ने अनेक ऐसे खिलाड़ी दिए हैं, जिन्होंने हॉकी इंडिया को सम्मान दिलाया। सीएम योगी ने पद्म पुरस्कार से सम्मानित मोहम्मद शाहिद, अशोक कुमार, रवींद्र पाल, सैयद अली, डॉ. आरपी सिंह, सुजीत कुमार, अब्दुल अजीज, सुबोध खांडेकर, रजनीश मिश्र, मोहम्मद शकील, देवेश चौहान, एमपी सिंह, जगवीर सिंह, राहुल सिंह, विवेक सिंह, ललित उपाध्याय, दानिश मुतजबा, राजकुमार पाल, प्रेम माया, रंजना श्रीवास्तव, मंजू बिष्ट, पुष्पा श्रीवास्तव, प्रीति दुबे जैसे हॉकी के खिलाड़ियों के योगदान को भी याद किया।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि वर्तमान में भी उत्तर प्रदेश के राजकुमार पाल, उत्तम सिंह, विष्णुकांत सिंह, मुमताज, साक्षी, ज्योति, पूर्णिमा महिला व पुरुष वर्ग की सीनियर-जूनियर भारतीय टीम में चयनित होकर प्रदेश और देश को गौरवान्वित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप से जुड़े समस्त पदाधिकारियों का लखनऊ आगमन पर स्वागत करते हुए एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2025 के सफल आयोजन की भी शुभकामना दी।